

समय: 03 घण्टा

पूर्णाङ्क: 70

**नोट:** प्रश्नपत्र ए एवं बी दो खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड निर्देशानुसार हल करना अनिवार्य है।

**खण्ड - ए**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

**नोट:** किन्हीं 05 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का है।

प्रश्न 1. निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए-

मूर्खशिष्योपदेशेन दुष्टा स्त्री भरणेन च।

दुःखितैः सम्प्रयोगेण पण्डितोऽप्यवसीदति ॥

प्रश्न 2. निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए-

यस्मिन् देशे न सम्मानो न वृत्तिर्न च बान्धवाः।

न च विद्यागमोऽप्यस्ति वासं तत्र न कारयेत् ॥

प्रश्न 3. निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए-

ते पुत्रा ये पितुर्भक्ताः स पिता यस्तु पोषकः।

तन्मित्रं यत्र विश्वासः सा भार्या यत्र निर्वृतिः ॥

प्रश्न 4. निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए-

कष्टं च खलु मूर्खत्वं कष्टं च खलु यौवनम्।

कष्टात् कष्टतरं चैव परगोहनिवासनम् ॥

प्रश्न 5. निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए-

अनभ्यासे विषं विद्या अजीर्णे भोजनं विषम्।

विषं सभा दरिद्रस्य वृद्धस्य तरुणी विषम् ॥

प्रश्न 6. निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए-

काचः काञ्चनसंसर्गाद्धत्ते मारकतीं द्युतिम्।

तथा सत्सन्निधानेन मूर्खो याति प्रवीणताम् ॥

प्रश्न 7. निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए-

दातव्यमिति यद्दानं दीयतेऽनुपकारिणे।

देशे काले च पाले च तद्दानं सात्त्विकं स्मृतम् ॥

प्रश्न 8. निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए-

मातृवत् परदारेषु परद्रव्येषु लोष्टवत्।

आत्मवत् सर्वभूतेषु यः पश्यति स पण्डितः ॥

प्रश्न 9. हितोपदेश के अनुसार सत्संगति का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

प्रश्न 10. चाणक्यनीति के अनुसार स्त्रियों की शक्ति तथा दोषों का उल्लेख कीजिए।

**खण्ड - बी**  
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

**नोट:** किन्हीं 04 प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न दस अंक का है।

- प्रश्न 1. वर्तमान में चाणक्यनीति के उपदेशों की उपादेयता स्पष्ट कीजिए।
- प्रश्न 2. हितोपदेश की प्रथम कहानी का सार लिखिए।
- प्रश्न 3. नीतिकाव्य के विकास क्रम को लिखिए।
- प्रश्न 4. महाकवि बाणभट्ट की कृतियों का परिचय दीजिए।
- प्रश्न 5. कवि सुबन्धु का जीवन परिचय लिखिए।
- प्रश्न 6. उपन्यासकार के रूप में कवि अम्बिकादत्त का मूल्याङ्कन कीजिए।
- प्रश्न 7. हितोपदेश के अनुसार धर्म के अष्टविध मार्गों की समीक्षा कीजिए।
- प्रश्न 8. नीतिकाव्यों में पञ्चतन्त्र का स्थान निरूपित कीजिए।